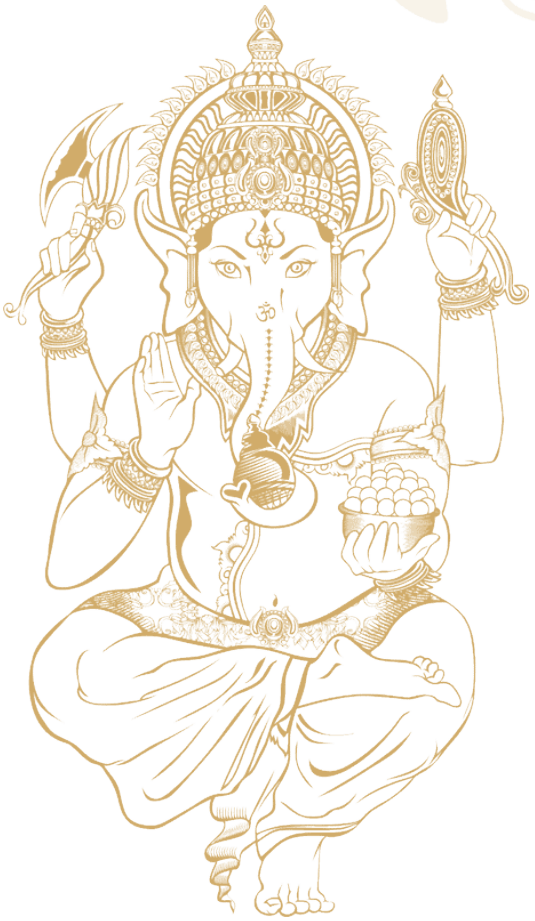

Mr.

05 Apr 2026

10:48 AM

Delhi

Model: web-freekundliweb

Order No: 121825205

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**05/04/2026**
दिन	रविवार
जन्म समय	**10:48:00 घंटे**
इष्ट	11:42:11 घटी
स्थान	**Delhi**
देश	India

अक्षांश	28:39:00 उत्तर
रेखांश	77:13:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:21:08 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	10:26:52 घंटे
वेलान्तर	-00:02:44 घंटे
साम्पातिक काल	23:20:59 घंटे
सूर्योदय	06:07:07 घंटे
सूर्यास्त	18:41:07 घंटे
दिनमान	12:34:00 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	वसन्त
सूर्य के अंश	21:12:40 मीन
लग्न के अंश	09:22:07 मिथुन

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	मिथुन - बुध
राशि-स्वामी	**तुला - शुक्र**
नक्षत्र-चरण	**विशाखा - 2**
नक्षत्र स्वामी	गुरु
योग	वज्र
करण	विष्टि
गण	राक्षस
योनि	व्याघ्र
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	शूद्र
वश्य	मानव
वर्ग	सर्प
युँजा	मध्य
हंसक	वायु
जन्म नामाक्षर	तू-तुकाराम
पाया(राशि-नक्षत्र)	रजत - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मेष

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मिथु	09:22:07	325:47:54	आर्द्रा	1	6	बुध	राहु	गुरु	---
सूर्य			मीन	21:12:40	00:59:04	रेवती	2	27	गुरु	बुध	शुक्र	मित्र राशि
चंद्र			तुला	26:39:27	12:03:23	विशाखा	2	16	शुक्र	गुरु	शुक्र	सम राशि
मंगल		अ	मीन	02:11:27	00:46:50	पू०भाद्रपद	4	25	गुरु	गुरु	राहु	मित्र राशि
बुध			कुंभ	23:29:16	01:03:00	पू०भाद्रपद	2	25	शनि	गुरु	शनि	सम राशि
गुरु			मिथु	21:51:21	00:04:38	पुनर्वसु	1	7	बुध	गुरु	शनि	शत्रु राशि
शुक्र			मेष	12:36:26	01:13:43	अश्विनी	4	1	मंगल	केतु	बुध	सम राशि
शनि		अ	मीन	11:50:46	00:07:26	उ०भाद्रपद	3	26	गुरु	शनि	चंद्र	सम राशि
राहु	व		कुंभ	14:10:05	00:06:30	शतभिषा	3	24	शनि	राहु	बुध	मित्र राशि
केतु	व		सिंह	14:10:05	00:06:30	पू०फाल्गुनी	1	11	सूर्य	शुक्र	शुक्र	शत्रु राशि
हर्ष			वृष	04:43:25	00:02:45	कृतिका	3	3	शुक्र	सूर्य	शनि	---
नेप			मीन	08:08:10	00:02:14	उ०भाद्रपद	2	26	गुरु	शनि	शुक्र	---
प्लूटो			मक	11:03:19	00:00:52	श्रवण	1	22	शनि	चंद्र	चंद्र	---
दशम भाव			कुंभ	25:09:50	--	पू०भाद्रपद	--	25	शनि	गुरु	बुध	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:13:32

लग्न-चलित

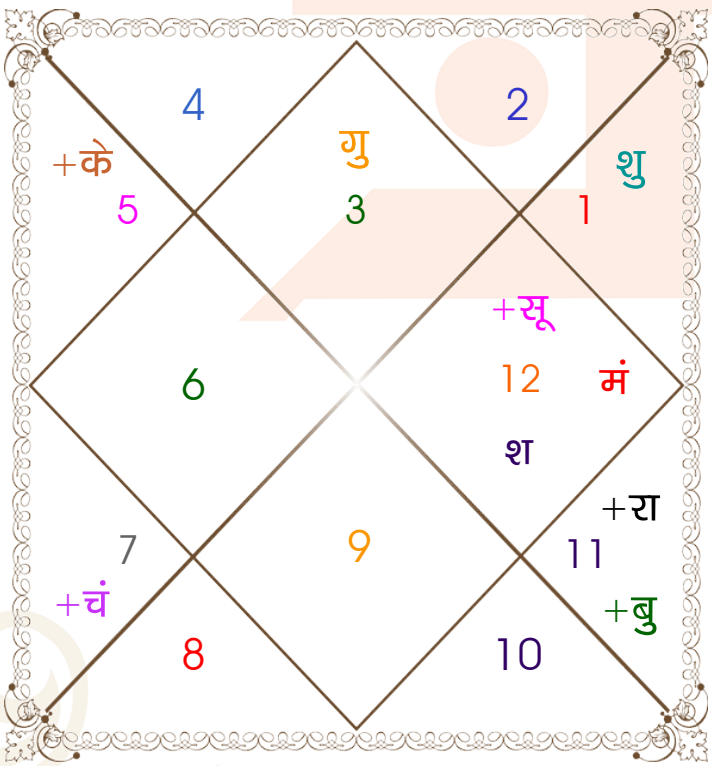

चन्द्र कुंडली

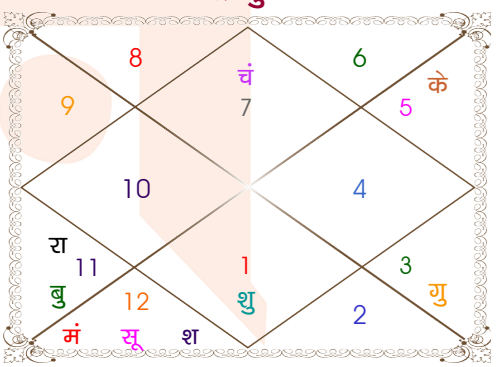

नवमांश कुंडली

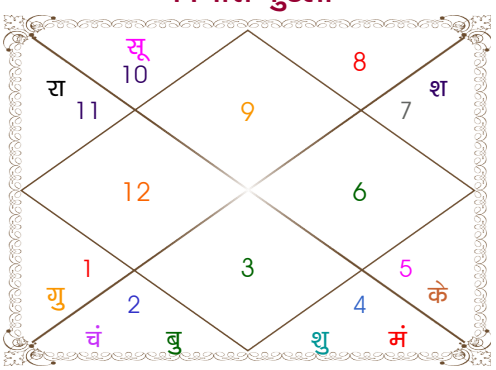

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : गुरु 8 वर्ष 0 मास 3 दिन

गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष	
05/04/2026		09/04/2034		09/04/2053		09/04/2070		09/04/2077	
09/04/2034		09/04/2053		09/04/2070		09/04/2077		09/04/2097	
	00/00/0000	शनि	12/04/2037	बुध	05/09/2055	केतु	05/09/2070	शुक्र	08/08/2080
	00/00/0000	बुध	21/12/2039	केतु	02/09/2056	शुक्र	05/11/2071	सूर्य	08/08/2081
	00/00/0000	केतु	29/01/2041	शुक्र	03/07/2059	सूर्य	12/03/2072	चंद्र	09/04/2083
	05/04/2026	शुक्र	30/03/2044	सूर्य	09/05/2060	चंद्र	11/10/2072	मंगल	08/06/2084
शुक्र	20/10/2028	सूर्य	12/03/2045	चंद्र	08/10/2061	मंगल	09/03/2073	राहु	09/06/2087
सूर्य	08/08/2029	चंद्र	12/10/2046	मंगल	06/10/2062	राहु	28/03/2074	गुरु	07/02/2090
चंद्र	08/12/2030	मंगल	20/11/2047	राहु	24/04/2065	गुरु	04/03/2075	शनि	09/04/2093
मंगल	14/11/2031	राहु	26/09/2050	गुरु	31/07/2067	शनि	11/04/2076	बुध	08/02/2096
राहु	09/04/2034	गुरु	09/04/2053	शनि	09/04/2070	बुध	09/04/2077	केतु	09/04/2097

सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष	
09/04/2097		10/04/2103		10/04/2113		09/04/2120		10/04/2138	
10/04/2103		10/04/2113		09/04/2120		10/04/2138		00/00/0000	
सूर्य	27/07/2097	चंद्र	09/02/2104	मंगल	06/09/2113	राहु	22/12/2122	गुरु	28/05/2140
चंद्र	26/01/2098	मंगल	09/09/2104	राहु	24/09/2114	गुरु	16/05/2125	शनि	09/12/2142
मंगल	03/06/2098	राहु	10/03/2106	गुरु	31/08/2115	शनि	22/03/2128	बुध	16/03/2145
राहु	27/04/2099	गुरु	10/07/2107	शनि	09/10/2116	बुध	10/10/2130	केतु	20/02/2146
गुरु	14/02/2100	शनि	08/02/2109	बुध	06/10/2117	केतु	28/10/2131	शुक्र	06/04/2146
शनि	27/01/2101	बुध	10/07/2110	केतु	04/03/2118	शुक्र	28/10/2134		00/00/0000
बुध	03/12/2101	केतु	08/02/2111	शुक्र	05/05/2119	सूर्य	22/09/2135		00/00/0000
केतु	10/04/2102	शुक्र	09/10/2112	सूर्य	09/09/2119	चंद्र	22/03/2137		00/00/0000
शुक्र	10/04/2103	सूर्य	10/04/2113	चंद्र	09/04/2120	मंगल	10/04/2138		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल गुरु 8 वर्ष 0 मा 13 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म आर्द्रा नक्षत्र के प्रथम चरण में हुआ है। आपके जन्मकाल मेदिनीय क्षितिज पर मिथुन लग्न के साथ-साथ धनु का नवमांश एवं मिथुन राशि का ही द्रेष्काण भी उदित हो रहा था। मिथुन लग्न की आकृति के फलस्वरूप यह प्रभाव स्पष्ट है कि आपका जीवन पूर्ण रूपेण उत्थान-पतन से युक्त तथा बार-बार उत्थान पतन का कारक भी है। यदि आप सतर्क नही रहे तो सदैव ही उच्चता एवं नीचता का वातावरण बनता रहेगा तथा आपको अपनी प्रतिष्ठा की रक्षा करने के लिए तथा विपत्ति अर्थात् दीनता से संघर्ष करने की सभी संभावनाएं क्षीण हो जाएगी। आपको अपने प्रारंभिक जीवन की शुरूआत के साथ ही सतर्कता पूर्वक संबंधित व्यवधानों की रोकथाम की प्रक्रिया भी प्रारंभ करना होगा। लग्न नवमांश के प्रभाव से आपके जीवन में उत्तमता हेतु आशा किरण का उदय आपकी आयु के पचीसवें वर्ष में दृष्टिगत होता है। आप अपनी हठधर्मिता को त्याग कर धैर्य पूर्वक समय की प्रतीक्षा करें। वास्तव में व्यक्तिगत रूप से आपकी कुशाग्रता और आपको अपने आत्मज्ञान के माध्यम से जीवन की दूरी तय करनी चाहिए। यदि आप अपने किसी भी एक चयनित रास्ते पर साहस और एकाग्रता पूर्वक चलते रहे तों सर्वोच्च पद पर पहुंचेगे। आपके लिए पत्रकारिता, लेखन कला, साथ ही कलात्मक कार्य व्यवसाय से आप लाभ प्राप्त करेंगे।

परंतु आपकी ऐसी आदत है कि आप अनिश्चित बाधाओं के प्रति बहुधा सशंकित रहते हैं तथा प्रायः अनिश्चित स्थिति में अर्थात् दुविधापूर्ण वातावरण से आप घिर जाते हैं। आप एक लुढकते हुए पत्थर के समान अपना आचरण रख कर, निश्चित लाभांश प्राप्त करने में असफल रह जाते हैं। आपकी अनुदारता के कारण आपकी चाह रहती है कि संक्षिप्त प्रकार से निर्दिष्ट विषय पर पॉलिस करके मानक विधान को स्वीकार कर, विजय श्री प्राप्त करें।

आप भाग्य की कृपा से किसी एक कार्य को संपादित कर अन्य कार्य का उत्तरदायित्व ग्रहण कर सकते हैं। परंतु आप में एकाग्रता का अभाव विद्यमान है। दिक्कत यह है कि आप इस अभाव को केंद्रीकरण करने के पश्चात् ही किसी भी उत्तरदायीत्व को ग्रहण कर बिना कार्य पूर्ण किए ही अन्य कार्यों को संपादन करने का अवसर अपने हाथ में ले लेते हैं।

अति महत्वाकांक्षा के प्रभाव से आप ऐसा कार्य संचालित कर लेते हैं। क्योंकि आप चमत्कारिक ढंग से धन प्राप्त कर धनी बन जाना चाहते हैं। आपको अपनी आय बढ़ाने की पवृत्ति ऐसी है कि आप यदा-कदा एक ही साथ दो स्थानों पर एक ही समय कोई कार्य प्रारंभ कर, लाभ उपार्जित करने का प्रयास करते हैं। परंतु यह आकस्मिक स्थिति मात्र कुछ समय तक ही प्रभावित रहती है।

आपकी दूसरी समस्या यह है कि आप जन सामान्य के साथ तथा इनके द्वारा लोकप्रियता प्राप्त करते हैं। इस प्रकार आप अपने स्वास्थ्य पर ध्यान नहीं दे पाते। आपको एकाग्रतापूर्वक अपने मित्र मंडली में बदलाव लाना होगा। ये लोग आपको सामान्य तरंगित भावनाओं को समझ पाना दुष्कर समझते हैं। अर्थात आप कैसे व्यक्ति हो उनके लिए समझ पाना उतना आसान नही हैं। आप में यह रहस्यमयी शक्ति विद्यमान है कि आप अन्य

किसी की भावनाओं को पूर्ण रूपेण समझ लेते हैं, तथा उसके बाद अपने ढंग से उसको प्रदर्शित करते हैं। आपका स्वभाव निःसंदेह ऐसा है कि आप आश्चर्यजनक प्रभाव से दूसरों को प्रभावित करते हैं। परंतु आप वातावरण को अनुकूल बनाने में अक्षम रहते हैं।

आपको जब कोई भी जीवन की उन्नति के अन्य मार्ग दृष्टिगत नही होते तब आप अपनी क्षमता के अनुरूप अपने धन को लाभजनक कार्य में लगा देते हैं। निम्नांकित बिन्दुओं पर विधानतः तदनुसार आचरण करना चाहिए जो कि आपकी लापरवाही के विरुद्ध जीवन के महत्वपूर्ण सांकेतिक शब्द हैं।

आपके जीवन के लिए महत्वपूर्ण रंग पीला, हरा, ब्लू एवं मोतिया एवं गुलाबी रंग हैं। परंतु हर दशा में रंग काला एवं लाल सर्वथा त्याज्य है।

इसके अतिरिक्त अंक 4 एवं 8 अंक का व्यवहार सर्वथा प्रतिकूल है। जबकि अंक 7 एवं 3 अंक आपके लिए वास्तव में अनुकूल हैं।

आपके लिए बुधवार, एवं शुक्रवार, का दिन अनुकूल हैं, तथा मंगलवार रविवार, गुरुवार एवं सोमवार का दिन कठिन एवं हानिप्रद प्रमाणित होगा। शनिवार मध्य फलदायक है।